ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

सदा ब्रह्मा बाप की भुजाओं में समाये रहो तो
सेफ्टी का अनुभव करेंगे..

POWER OF HAPPINESS

एक दो के विचारों को रीगार्ड दो तो स्वयं का रिकॉर्ड अच्छा बन जायेगा।

अव्यक्त शिक्षाएँ

सदा खुशी के झूले में झूलने वाले हो ना। कितना बढ़िया झूला बापदादा से प्राप्त हुआ है। यह झूला कभी टूट तो नहीं जाता? याद और सेवा की दोनों रस्सियाँ टाइट हैं तो झूला सदा ही एकरस रहता है। नहीं तो एक रस्सी ढीली, एक टाइट तो झूला हिलता रहेगा। झूला हिलेगा तो झूलने वाला गिरेगा। अगर दोनों रस्सियाँ मजबूत हैं तो झूलने में मनोरंजन होगा। अगर गिरे तो मनोरंजन के बजाए दुःख हो जायेगा। तो याद और सेवा दोनों रस्सियाँ समान रहें, फिर देखो ब्राह्मण जीवन का कितना आनन्द अनुभव करते हो। सर्वशक्तिवान बाप का साथ है, खुशियों का झूला है और चाहिए ही क्या?

अ.बापदादा-24.04.83

सेवा में सफलता नहीं मिलती तो दिलशिकस्त मत बनो

बापदादा 27.02.1996

कुछ भी सेवा करो चाहे जिज्ञासू कोर्स वाले आवे या नहीं आवे लेकिन स्वयं, स्वयं से सन्तुष्ट रहो। निश्चय रखो कि अगर मैं सन्तुष्ट हूँ तो आज नहीं तो कल यह मैसेज काम करेगा, करना ही है। इसमें थोड़ा सा उदास नहीं बनो। खर्चा तो किया.... प्रोग्राम भी किया.... लेकिन आया कोई नहीं। स्टूडेन्ट नहीं बढ़े, कोई हर्जा नहीं आपने तो किया ना। आपके हिसाब-किताब में जमा हो गया और उन्हों को भी सन्देश मिल गया। तो टाइम पर सभी को आना ही है, इसलिए करते जाओ। खर्चा बहुत हुआ, उसको नहीं सोचो। अगर स्वयं सन्तुष्ट हो तो खर्चा सफल हुआ। घबराओ नहीं, पता नहीं क्या हुआ! कई बच्चे ऐसे कहते हैं मेरा योग ठीक नहीं था, तभी यह हुआ। किससे योग था? और कोई है क्या जिससे योग था? योग है और सदा रहेगा। बाकी कोई सीजन का फल है, कोई हर समय का फल है। तो अगर आया नहीं तो सीजन का फल है, सीजन आयेगी। दिलशिकस्त नहीं बनो। क्योंकि श्रीमत को तो माना ना। श्रीमत प्रमाण कार्य किया। इसीलिए श्रीमत को मानना यह भी एक सफलता है। बढ़ते जाओ, करते जाओ। और ही पश्चाताप करके आपके पांव पड़ेंगे कि आपने कहा हमने नहीं माना। यहाँ ही आप देवियां बनेंगी। आपके पांव पर पड़ेंगे, तभी तो भक्ति में भी पांव पड़ेंगे ना। तो वह टाइम भी आना है जो सब आपके पांव पड़ेंगे कि आपने कितना अच्छा हमारा कल्याण किया।

"कर्मों की गति अति गुह्य है"

एक तरफ रहमदिल बन बाप के सम्बन्ध से रियायत भी करते हैं। अर्थात् एक, दो, तीन बार माफ भी करते हैं। दूसरी तरफ सुप्रीम जस्टिस के रूप में कल्याणकारी होने के कारण, बच्चों के कल्याण अर्थ ईश्वरीय लॉज (Laws;कानून) भी बताते हैं। सबसे बड़े ते बड़ा संगम का अनादि लॉ कौन सा है? ड्रामा प्लान अनुसार एक लाख गुणा प्राप्ति और पश्चात्ताप, वा भोगना, यह ऑटोमेटीकली (AUTOMATICALLY;स्वत:) लॉ अर्थात् नियम चलता ही रहता है। बाप को स्थूल रीति-रस्म माफक कहना वा करना नहीं पड़ता, कि इस कर्म का यह लेना, वा इस कर्म की सज़ा यह है। लेकिन यह ऑटोमेटिक ईश्वरीय मशीनरी (Automatic Godly Machinery;स्वचालित ईश्वरीय यंत्र) है, जिस मशीनरी को कोई बच्चे जान नही सकते, इसलिए गाया हुआ है - 'कर्मों की गति अति गुह्य है।'

Avyakt Murli - 03-05-77

/AvyaktMurliEssence

श्रेष्ठ प्रेरणा

आपकी आर्थिक स्थिति जो भी हो... परन्तु ख़ुश रहने के लिए आपकी मानसिक स्थिति ठीक होनी चाहिए...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

Being a Detached Observer - साक्षी दृष्टा

In an argument or scene of conflict
Do not get entangled in the scene.
Do not absorb emotions of the scene.
Detach from negativity of people.
Radiate YOUR Stability and Steer them
Towards Solution and Empowerment.

Put on YOUR Oxygen Mask first to save others.

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org